

04 मई, 2024
वैशाख, कृष्ण पक्ष, एकादशी
सप्तवत 2081
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 3.00

रांची

शनिवार, वर्ष 09, अंक 193

आजाद सिपाही

कलम कलम बढ़ाये जा



चाइबासा में प्रधानमंत्री कांग्रेस और झामुमो पर बरसे, कहा-लूट की छूट चाहता है गठबंधन

भाजपा और झारखंड का दिल का नाता है: मोदी

आजाद सिपाही टीम

चाइबासा। प्रधानमंत्री नंदेंद्र मोदी ने कहा कि देश की जनता का अपार प्रेम ही मोदी की ताकत है। भाजपा और झारखंड में दिल का रिश्ता है। झारखंड के लोगों के भाव को समझने का काम और समस्याओं का समाधान केवल भाजपा ही रख सकती है। शर्मांज्ञ अटल विहारी वाजपेयी जी ने झारखंड राज्य बनाया, जबकि कांग्रेस ने इसका घोर विरोध किया था। कांग्रेस ने झारखंड के विकास पर ब्रेक लगा दिया था। झारखंड के संसाधन राज्य के लोगों के काम आये, यह कांग्रेस को मंजूर नहीं था। मोदी ने एक बैठक कर कांग्रेस झारखंड के लोगों के लिए योजनाएं बनायी थी और 1 रुपये भेजे हर उसमें से 85 पैसे मार लेती थी। मोदी ने पुरा एक रुपया सीधी लोगों के खातों में भेजने का काम किया। प्रधानमंत्री शुक्रवार को चाइबासा में चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि मोदी सरकार ने योजनाओं को केवल दिली तक सीमित नहीं रखा, बल्कि देश के हर कोने से योजनाओं की शुरुआत की। भाजपा सरकार ने आयुष्मान भारत योजना की शुरुआत झारखंड की धरती से ही की। झारखंड के दुमका से देशव्यापी मुद्रा योजना की शुरुआत की गयी। पीएम

■ झारखंड की गठबंधन सरकार ने आदिवासियों की जनीन लूटी, सेना की जनीन पर अंख गड़ी

■ कांग्रेस ने राष्ट्रपति द्वापदी मुर्मू को अपमानित किया, राजद ने झारखंड बनाने का विरोध

■ गठबंधन आदिवासी-सदांगों का हक मार कर धर्म के आधार पर दूसरों को बाटने का प्रयास कर रहा



प्रधानमंत्री ने झारखंड की योजनाओं का जिक्र किया

प्रधानमंत्री ने कहा कि भाजपा जनजातीय युवाओं को खेल में भी आगे बढ़ा रही है, लेकिन कांग्रेस ने तो आदिवासी इनाकों को आगे हाल पर छोड़ दिया था। भाजपा सरकार आकर्ती लोगों योजना को तहत अजन आदिवासी जिलों का सम्प्रय विकास कर रही है। यीते दस वर्षों में भाजपा ने वे कार्य पूरे किये हैं, जिनका जनजातीय एक दृष्टक के कार्यक्रमों से सिक्का सेल एवं विभिन्न कार्यक्रमों से आगे आया। भाजपा ने अपने एक दृष्टक के कार्यक्रमों से सिक्का सेल एवं विभिन्न कार्यक्रमों से आगे आया। भाजपा ने अपने एक दृष्टक के कार्यक्रमों से सिक्का सेल एवं विभिन्न कार्यक्रमों से आगे आया।

है, जिसके कारण अब आदिवासी जनता को इलाज के लिए दूर नहीं जाना पड़ता। इन दस वर्षों में मोदी ने आदिवासी समाज के लिए मकान, बिलों, पानी और सिलेंडर जैसी मूलभूत सुविधाएं प्रदान की हैं। मोदी ने कहा कि कांग्रेस ने सत्ता में आप पर सप्ति की जांच करने और पिंजर उसे जब बाद झारखंड की खाली करने वालों में बांटने की योजना बनायी है। कांग्रेस की जांच दलितों, पिंजरों, आदिवासी और आदिवासी के आक्षण को बांटने पर आदिवासियों को सजा देने की योजना बन रही है।

जननम योजना को भगवान विरसा मुंडा के गांव से प्रारंभ किया गया। झारखंड के खंडी से ही विकासित भारत वाली मोदी की गारंटी की गयी। योजना में भारत वाली मोदी की गारंटी की गयी।

इसलिए भाजपा और झारखंड का दिल का नाता है। आज झारखंड का समेत पूरा देश उत्साह के साथ भारत वाली मोदी की गारंटी की गयी। योजना को आगे बढ़ावा देने के लिए कांग्रेस दलित, पिंजरे और आदिवासियों को सम्मान नहीं दिया।

कांग्रेस ने सम्मान नहीं दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि झारखंड की धरती का अद्वितीय है। योजना को आगे बढ़ावा देने के लिए कांग्रेस ने अपने एक अद्वितीय विकास करने का अभियान शुरू किया है। योजना को आगे बढ़ावा देने के लिए कांग्रेस ने अपने एक अद्वितीय विकास करने का अभियान शुरू किया है।

कांग्रेस ने सम्मान नहीं दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि झारखंड की धरती का अद्वितीय है। योजना को आगे बढ़ावा देने के लिए कांग्रेस ने अपने एक अद्वितीय विकास करने का अभियान शुरू किया है।

कांग्रेस ने सम्मान नहीं दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि झारखंड की धरती का अद्वितीय है। योजना को आगे बढ़ावा देने के लिए कांग्रेस ने अपने एक अद्वितीय विकास करने का अभियान शुरू किया है।

कांग्रेस ने सम्मान नहीं दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि झारखंड की धरती का अद्वितीय है। योजना को आगे बढ़ावा देने के लिए कांग्रेस ने अपने एक अद्वितीय विकास करने का अभियान शुरू किया है।

कांग्रेस ने सम्मान नहीं दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि झारखंड की धरती का अद्वितीय है। योजना को आगे बढ़ावा देने के लिए कांग्रेस ने अपने एक अद्वितीय विकास करने का अभियान शुरू किया है।

कांग्रेस ने सम्मान नहीं दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि झारखंड की धरती का अद्वितीय है। योजना को आगे बढ़ावा देने के लिए कांग्रेस ने अपने एक अद्वितीय विकास करने का अभियान शुरू किया है।

कांग्रेस ने सम्मान नहीं दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि झारखंड की धरती का अद्वितीय है। योजना को आगे बढ़ावा देने के लिए कांग्रेस ने अपने एक अद्वितीय विकास करने का अभियान शुरू किया है।

कांग्रेस ने सम्मान नहीं दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि झारखंड की धरती का अद्वितीय है। योजना को आगे बढ़ावा देने के लिए कांग्रेस ने अपने एक अद्वितीय विकास करने का अभियान शुरू किया है।

कांग्रेस ने सम्मान नहीं दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि झारखंड की धरती का अद्वितीय है। योजना को आगे बढ़ावा देने के लिए कांग्रेस ने अपने एक अद्वितीय विकास करने का अभियान शुरू किया है।

कांग्रेस ने सम्मान नहीं दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि झारखंड की धरती का अद्वितीय है। योजना को आगे बढ़ावा देने के लिए कांग्रेस ने अपने एक अद्वितीय विकास करने का अभियान शुरू किया है।

कांग्रेस ने सम्मान नहीं दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि झारखंड की धरती का अद्वितीय है। योजना को आगे बढ़ावा देने के लिए कांग्रेस ने अपने एक अद्वितीय विकास करने का अभियान शुरू किया है।

कांग्रेस ने सम्मान नहीं दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि झारखंड की धरती का अद्वितीय है। योजना को आगे बढ़ावा देने के लिए कांग्रेस ने अपने एक अद्वितीय विकास करने का अभियान शुरू किया है।

कांग्रेस ने सम्मान नहीं दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि झारखंड की धरती का अद्वितीय है। योजना को आगे बढ़ावा देने के लिए कांग्रेस ने अपने एक अद्वितीय विकास करने का अभियान शुरू किया है।

कांग्रेस ने सम्मान नहीं दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि झारखंड की धरती का अद्वितीय है। योजना को आगे बढ़ावा देने के लिए कांग्रेस ने अपने एक अद्वितीय विकास करने का अभियान शुरू किया है।

कांग्रेस ने सम्मान नहीं दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि झारखंड की धरती का अद्वितीय है। योजना को आगे बढ़ावा देने के लिए कांग्रेस ने अपने एक अद्वितीय विकास करने का अभियान शुरू किया है।

कांग्रेस ने सम्मान नहीं दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि झारखंड की धरती का अद्वितीय है। योजना को आगे बढ़ावा देने के लिए कांग्रेस ने अपने एक अद्वितीय विकास करने का अभियान शुरू किया है।

कांग्रेस ने सम्मान नहीं दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि झारखंड की धरती का अद्वितीय है। योजना को आगे बढ़ावा देने के लिए कांग्रेस ने अपने एक अद्वितीय विकास करने का अभियान शुरू किया है।

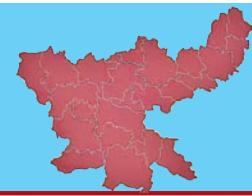
कांग्रेस ने सम्मान नहीं दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि झारखंड की धरती का अद्वितीय है। योजना को आगे बढ़ावा देने के लिए कांग्रेस ने अपने एक अद्वितीय विकास करने का अभियान शुरू किया है।

कांग्रेस ने सम्मान नहीं दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि झारखंड की धरती का अद्वितीय है। योजना को आगे बढ़ावा देने के लिए कांग्रेस ने अपने एक अद्वितीय विकास करने का अभियान शुरू किया है।

कांग्रेस ने सम्मान नहीं दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि झारखंड की धरती का अद्वितीय है। योजना को आगे बढ़ावा देने के लिए कांग्रेस ने अपने एक अद्वितीय विकास करने का अभियान शुरू किया है।

कांग्रेस ने सम्मान नहीं दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि झारखंड की धरती का अद्वितीय है। योजना को आगे बढ़ावा देने के लिए कांग्रेस ने अपने एक अद्वितीय विकास करने का अभियान शुरू किया है।

कांग्रेस ने सम्मान नहीं दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि झारखंड की धरती का अद्वितीय है। योजना को आगे बढ़ावा देने के लिए कांग्रेस ने अपने एक अद्व



फैसला

देश का 2024



आजाद सिपाही

दौर्ची, शिवांग, 04 मई, 2024

www.azadsipahi.in

02

बाजार में तीन घंटे के
लिए पसर गया सन्नाटा

चाइबासा में सर्वत्र मोदी, मोदी और मोदी....

■ हर किसी को सभास्थल पर पहुंचने की जल्दी

■ सुरक्षा की खातिर पुलिस छावनी में तब्दील हो गया था चाइबासा

■ भाजपा समर्थकों का समर्पण देखते ही बन रहा था

■ कुछ घंटे के लिए सड़कें छोटी पड़ गयी थीं और सभा मैदान बौना

■ भाजपा कार्यकर्ताओं का मैनेजमेंट काबिलेतारीफ था

■ मोदी का मुखौटा, हाथों में तख्तियां और सिर पर गमछा

राज्य में गरमी चरम पर है। उसमें भी चाइबासा की गरमी का अंदाजा वहाँ के लोगों की जुबानी या वहाँ जाकर ही महसूस की जा सकती है। चाइबासा का तापमान शुक्रवार को 40 डिग्री सेल्सियस था। सूर्य की किरणें मानो शेरीर पर आग बरसा रही थीं। बावजूद इसके चाइबासा में शुक्रवार को चुनावी तिथि सूर्य की किरणों पर आरी दिखी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सुनने की आतुरता यहाँ के लोगों में इस कदर शुमारी थी कि वह गरमी को

भूल ही बैठे। मोदी को देखने और सुननेवालों की भीड़ ने सावित कर दिया कि उनका केज सूर्य की तपती किण से तेज है। हर वर्ग, हर समुदाय, हर आयु वर्ग के लोगों से सभा स्थल पटा पड़ा था। महिलाएं गोद में बच्चे

लिये सभा स्थल में मौजूद थीं। बच्चे कभी मां की गाँड़ी को तो कभी भीड़ को निहार रहे थे। मोदी के आगमन से पहले ही सभास्थल पर लोगों का जुटान शुरू हो गया था। मैदान लोगों की उपस्थिति से अंदा पड़ा था।

भीड़ के दिलों में मोदी के प्रति इन्हाँ अगाध प्यार था कि उनके जाने के बाद ही वे वहाँ से हटे। प्रधानमंत्री के आगमन पर मोदी, मोदी से पूरा इलाका गंजायमान हो रहा था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सभा को कवर करने के लिए 'आजाद सिपाही' की टीम भी रात्री से शुक्रवार को चाइबासा गयी थी। वहाँ का जो नजारा था, वह आंखों देखी प्रस्तुत कर रहे हैं हमारे विशेष संवाददाता राकेश कुमार रिंग।



वया माताएं, वया बहनें, वया बूढ़े और बुजुर्ग, दुधमुंहे बक्के भी मां की गोद में पहुंचे थे सभास्थल पर

160 किमी है। रांची से वहाँ तक जाने में लगभग 3.30 घंटे का काम धंधा छोड़ कर सभास्थल चले गये। दूसरी तरफ चाइबासा में चाक चौबद्ध पुलिस व्यवस्था। चाइबासा मानो पुलिस छावनी में तब्दील हो गया था। पुलिसकर्मी इतने सतर्क कि परिदा भी वहाँ पर नहीं मार सके। लोगों से बात कर सके। मोदी को सुन भी चहरकदमी देखते ही बह रही थी। हमारी गाड़ी पुराने डीसी कार्यालय के पास रुकी। वहाँ से भाजपा के कार्यकर्ता सभी मीडियाकर्मियों को सभास्थल पर एक साथ ले जाने के लिए मौजूद थे।

'आजाद सिपाही' की टीम शुक्रवार सुबह 10 बजे चाइबासा रवाना होने के लिए तैयार हो गयी। भाजपा वालों ने ही प्रतिकरों के लिए एगड़ी की व्यवस्था भी की थी। करीब 11 बजे चाइबासा में मोदी की जनसभा और उसके बाद रांची में शुक्रवार को चाइबासा में मोदी की जनसभा और आत्म-आठ नरेंद्र मोदी को जनसभा निकले। जब हमारी टीम चक्रधर्षण पहुंची, तो प्रधानमंत्री की आठाहट मिलने लगी। राजभवन में रात्रि विश्राम और शनिवार को पलामू और लोहदगा संसेद से भाजपा प्रत्यायी समीकरण उत्तराव के पक्ष में सिसर्ह में सभा। कार्यक्रम तय होने के बाद चुनावी संसरण तेज होने लगी। चायों-ज्यों उत्के आगमन का दिन नजदीकी आत्म गया, कार्यक्रम की तैयारी परवान चढ़ने लगी। आखिरकार 3 मई यारी शुक्रवार को मोदी के आगमन का समय भी आ गया। रांची से चाइबासा एक हो गया। मीडिया इससे दूर रहे वह संभव ही नहीं था। मीडिया को भी तो कार्यक्रम कर करना था। 'आजाद सिपाही' की टीम भी कर करने के लिए उत्सुक थी। आंखों को में इतनी उत्सुकता कि लोग अपना



और आसपास के लोग वहाँ जुटे हुए थे। भीड़ देख हमारी आखें दो रह गयी। वया बच्चे, वया बूढ़े, यथा महिलाएं, वया जवान, सब गमछा अंडे हो रहे हैं। चूंकि चाइबासा सही में तप रहा था। धूप इतनी तेज की लोग गश्त कर रहे हैं। महिलाएं दुध मुड़ बच्चों के साथ सभास्थल पर पहुंच रही थीं।

हमारे पहुंचने के बाद भी लोगों के हमारे पहुंचने का वालीं भीड़ जारी था। चप्पे-चप्पे पर प्रशासन-पुलिस जवान मुस्तैद। मोदी को देखने भीड़ ही भीड़ सभास्थल से करीब दो से तीन किलोमीटर की दूरी तक नजर आ रही थी। पूरा चाइबासा मोदीयम हुआ पड़ा था।

भीड़ मोदी की मुख्यांया लगाये था, कोई मोदी की तस्वीर वाली टी-शर्ट भावाव गमछा की तो मानो भरमार थी। कोई मोदी की तस्वीर की तरिक्यां लेकर पहुंच रहा था। भाजपा के पटे की तो गिनती ही थी, मैदान कहाँ से शुरू हो रहा था। इतना ही नहीं, लोगों के आने का सिलसिला बद नहीं हुआ था।

सभास्थल के कैपेस में दाखिल होते ही भाजपा के वालीं भीड़ भी आ रही थी। लग ही नहीं रहा था कि मोदी और उनके बाद सभास्थल मोदी के नारों से गूंज उठा। मोदी के स्वागत के लिए सभा में शामिल हर व्यक्ति खड़ा हो गया। लोग जोर-जोर से मोदी-मोदी चिल्लाने लगे। जब श्रीमान और मोदी के नारों से चाइबासा गूंज रहा था। गजब का क्रेंज, गजब का शोर। जैसे ही मोदी जी मंच पर आये एक गजब का ओज उनके चौहरे और आभा से आ रही थी। लग ही नहीं रहा था कि चाइबासा ने मोदी को यारी दिलाए था। इसके बाद सभास्थल में उत्साही अनुशासन में थे। सब कुछ व्यवस्थित था। सारा दिन धूप में रहने के बाद भी किसी को वहाँ से निकलने की जल्दी नहीं थी। मोदी जब तक हेलीकॉप्टर में बैठ नहीं गये, लोग सभास्थल से रखाना होने को तैयार नहीं थे। इसका मतलब यही था कि चाइबासा ने मोदी को यारी दिलाए था। इसके बाद सभास्थल में उत्साही अनुशासन में थे। सब कुछ व्यवस्थित था। सारा दिन धूप में रहने के बाद भी किसी को वहाँ से निकलने की जल्दी नहीं थी। मोदी जब तक हेलीकॉप्टर में बैठ नहीं गये, लोग सभास्थल से रखाना होने को तैयार नहीं थे। इसका मतलब यही था कि चाइबासा ने मोदी को यारी दिलाए था। इसके बाद सभास्थल में उत्साही अनुशासन में थे। सब कुछ व्यवस्थित था। सारा दिन धूप में रहने के बाद भी किसी को वहाँ से निकलने की जल्दी नहीं थी। मोदी जब तक हेलीकॉप्टर में बैठ नहीं गये, लोग सभास्थल से रखाना होने को तैयार नहीं थे। इसका मतलब यही था कि चाइबासा ने मोदी को यारी दिलाए था। इसके बाद सभास्थल में उत्साही अनुशासन में थे। सब कुछ व्यवस्थित था। सारा दिन धूप में रहने के बाद भी किसी को वहाँ से निकलने की जल्दी नहीं थी। मोदी जब तक हेलीकॉप्टर में बैठ नहीं गये, लोग सभास्थल से रखाना होने को तैयार नहीं थे। इसका मतलब यही था कि चाइबासा ने मोदी को यारी दिलाए था। इसके बाद सभास्थल में उत्साही अनुशासन में थे। सब कुछ व्यवस्थित था। सारा दिन धूप में रहने के बाद भी किसी को वहाँ से निकलने की जल्दी नहीं थी। मोदी जब तक हेलीकॉप्टर में बैठ नहीं गये, लोग सभास्थल से रखाना होने को तैयार नहीं थे। इसका मतलब यही था कि चाइबासा ने मोदी को यारी दिलाए था। इसके बाद सभास्थल में उत्साही अनुशासन में थे। सब कुछ व्यवस्थित था। सारा दिन धूप में रहने के बाद भी किसी को वहाँ से निकलने की जल्दी नहीं थी। मोदी जब तक हेलीकॉप्टर में बैठ नहीं गये, लोग सभास्थल से रखाना होने को तैयार नहीं थे। इसका मतलब यही था कि चाइबासा ने मोदी को यारी दिलाए था। इसके बाद सभास्थल में उत्साही अनुशासन में थे। सब कुछ व्यवस्थित था। सारा दिन धूप में रहने के बाद भी किसी को वहाँ से निकलने की जल्दी नहीं थी। मोदी जब तक हेलीकॉप्टर में बैठ नहीं गये, लोग सभास्थल से रखाना होने को तैयार नहीं थे। इसका मतलब यही था कि चाइबासा ने मोदी को यारी दिलाए था। इसके बाद सभास्थल में उत्साही अनुशासन में थे। सब कुछ व्यवस्थित था। सारा दिन धूप में रहने के बाद भी किसी को वहाँ से निकलने की जल्दी नहीं थी। मोदी जब तक हेलीकॉप्टर में बैठ नहीं गये, लोग सभास्थल से रखाना होने को तैयार नहीं थे। इसका मतलब यही था कि चाइबासा ने मोदी को यारी दिलाए था। इसके बाद सभास्थल में उत्साही अनुशासन में थे। सब कुछ व्यवस्थित था। सारा दिन धूप में रहने के बाद भी किसी को वहाँ से निकलने की जल्दी नहीं थी। मोदी जब तक हेलीकॉप्टर में बैठ नहीं गये, लोग सभास्थल से रखाना होने को तैयार नहीं थे। इसका मतलब यही था कि चाइबासा ने मोदी को यारी दिलाए था। इसके बाद सभास्थल में उत्साही अनुशासन में थे। सब कुछ व्यवस्थित था। सारा दिन धूप में रहने के बाद भी किसी को वहाँ से निकलने की जल्दी नहीं थी। मोदी जब तक हेलीकॉप्टर में बैठ नहीं गये, लोग सभास्थल से रखाना होने को तैयार नहीं थे। इसका मतलब यही था कि चाइबासा ने मोदी को यारी दिलाए था। इसके बाद सभास्थल में उत्साही अनुशासन में थे। सब कुछ व्यवस्थित था। सारा दिन धूप में रहने के बाद भी किसी को वहाँ से निकलने की जल्दी नहीं थी। मोदी जब तक हेलीकॉप्टर में बैठ नहीं गये, लोग सभास्थल से रखाना होने को तैयार नहीं थे। इसका मतलब यही था कि चाइबासा ने मोदी को यारी दिलाए था। इसके बाद सभास्थल में उत्साही अनुशासन में थे। सब कुछ व्यवस्थित था। सारा दिन धूप में रहने के बाद भी किसी को वहाँ से निकलने की जल्दी नहीं थी। मोदी जब तक हेलीकॉप्टर में बैठ नहीं गये, लोग सभास्थ

पीएम मोदी के स्वागत को लेकर सिसई तैयार

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। सिसई प्रखंड क्षेत्र के बरगांव रोड में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के होने वाले कार्यक्रम की जोर-जोर से तैयारी चल रही है। कार्यक्रम को लेकर विशाल मंच और बड़े-बड़े पंडाल बनाये गये हैं, ताकि दूर-दूर से नरेंद्र मोदी को देखने आये ग्रामीणों के बैठने में कोई परेशानी न हो। जात हो कि 4 मई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रैली बरगांव रोड में होगी, जिसमें प्रधानमंत्री क्षेत्र की जनता और



चौबंद व्यवस्था की गयी है। कार्यक्रम को लेकर जिले के सभी थानों को अलर्ट मोड पर रखा गया है। वहाँ सुरक्षा को लेकर जगह-जगह पर वाहन जांच चलाया जा रहा है। इसके अलावा

उच्च पदाधिकारियों को कार्यक्रम व विधि व्यवस्था को लेकर प्रतिनियुक्त किया गया है। सिसई बैजनाथ जलान कॉलेज रोड स्थित ब्रगवंग मैदान में पृथग्मंत्री का कार्यक्रम आयोजित किया गया है, जिसको लेकर पूरा गुमलाव सिसई प्रखण्ड तैयारी में जुटा हुआ है। वहीं काफी संख्या में पलिम बल की तैनाती की गयी है। सुरक्षा इतनी जबरदस्त है कि एक परिंदा भी पर नहीं मार सकता है। वहीं कार्यक्रम को लेकर दिल्ली से एनएसजी की टीम तीन दिन पर्व ही गुमला पहुंच गयी है।

वहीं भारी संख्या में पुलिस जवानों को क्षेत्र में लगाया गया है। वहीं शुक्रवार को मैदान का समतलीकरण किया गया जिसके बाद परे मैदान में टेंट लाइट विद्युत पूर्ण भाजप होंगे। सभा प

तोरण द्वार सजाने का कार्य
चुका है। कार्यक्रम में
के कई बड़े नेता शामिल
धानमंत्री लोहरदगा लोक
याणी समीर उरांव के पक्ष

में प्रचार करने आयेंगे। वहीं विधि व्यवस्था को लेकर जिले के सभी पदाधिकारी को ड्यूटी पर लगाया गया है। भीषण गर्मी को देखते हुए ग्रामीणों की सविधा के लिए जल की व्यवस्था, एंबुलेंस, अग्निशमन वाहन को तैनात किया गया है। कार्यक्रम में क्षेत्र से हजारों कर्मसंख्या में लोगों की भीड़ होने का संभावना है।

सुखदेव भगत की जीत तय : गुलाम अहमद मीर

गुमला में हुआ कांग्रेस का कार्यकर्ता सम्मेलन



गुमला (आजाद सिपाही)। गुमला जिला के दौरे पर आये कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी गुलाम अहमद मीर व प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने प्रेसवार्ता कर कहा कि लोहरदगा लोकसभा सीट पर कांग्रेस उम्मीदवार सुखदेव भगत की जीत तय है। प्रदेश प्रभारी ने कहा कि उनके उम्मीदवार की जीत तय है। उन्होंने कहा कि अभी भी उन्हें उम्मीद है कि चमरा लिंडा को संगठन के लोग समझाए। वही उन्होंने कहा कि प्रथम चरण में चार सीटों पर चुनाव हो रहा है। जिसमें

लोहरदगा व खूंटी सीट पर कांग्रेस उम्मीदवार है। वहीं प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा कि पार्टी में कोई अंतर्कलह नहीं है। सभी गोलबंद हैं। अपने उम्मीदवार को जिताने के लिए सभी जी तोड़ मेहनत कर रहे हैं। मीर अहमद ने कहा पिछले चुनाव में कांग्रेस पार्टी लोहरदगा लोकसभा से 10 हजार और खूंटी से मात्र 1400 वोटों से हारी थी। यह मामूली बोट इस बार पूरी हो जायेगा और कांग्रेस की जीत सुनिश्चित है। वहीं संगठन के कार्यकर्ता दोनों सीट कांग्रेस के झोली में डालने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। कहा कि अब देश की जनता बदलाव चाहती है। केंद्र की सरकार चुनावी मुद्दों पर फेल हो गयी। वहीं उसके बाद भी पूरे नहीं हुए। पूरा देश कांग्रेस पार्टी को आशा भरी निगाहों से देख रही है। व्यापारी, मजदूर, गरीब, महिलाएं और पूरी जनता केंद्र सरकार की नीति से त्रस्त है। महंगाई बढ़ी हुई है। पूरे देश को केंद्र सरकार ने 10 सालों तक ठगा है। कार्यकर्ता भी कांग्रेस को सत्ता में लाने के लिए तैयार हैं।

हेमंत की गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका खारिज

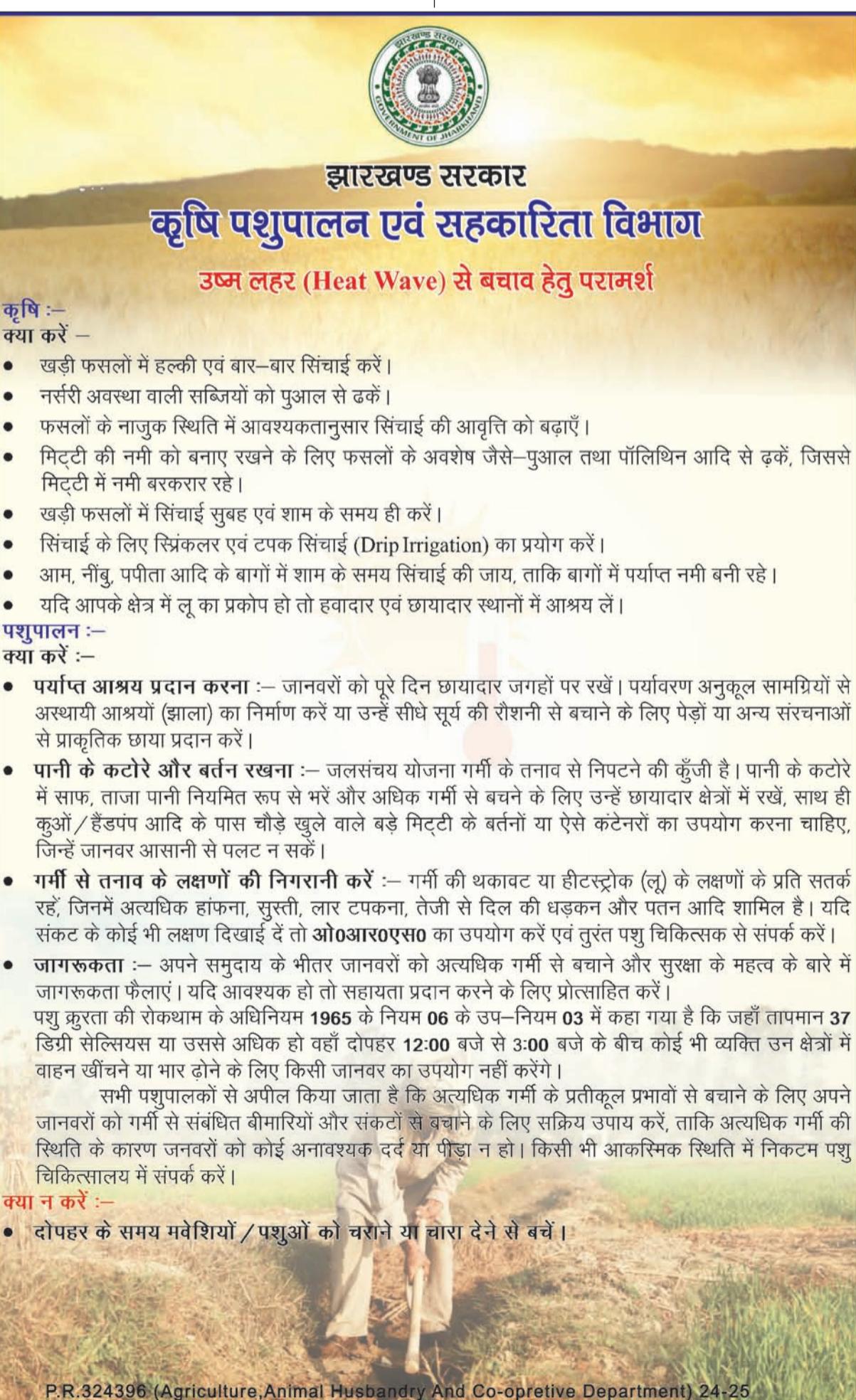
आजाद सिपाही संवाददाता

चाचा के श्राद्ध कर्म में होंगे शामिल

रंगीन। हेमंत सोरेन द्वारा प्रैविजनल बेल के लिए दायर याचिका पर झारखंड हाइकोर्ट में शुक्रवार को सुनवाई हुई। इस दौरान अदालत ने हेमंत सोरेन को प्रैविजनल बेल देने से इनकार करते हुए उनकी याचिका खारिज कर दी, हालांकि कोर्ट ने उन्हें अपने चाचा के शादू कर्म में कुछ देर के लिए शामिल होने की अनुमति दी है। अदालत ने यह सख्त निर्देश दिया है कि 6 मई को होने वाले शादू कर्म में शामिल होने के दौरान हेमंत सोरेन मीडिया से कोई बातचीत नहीं करेंगे और ना ही कोई राजनीतिक चर्चा करेंगे।

जयराम महतो को निर्वाचन पदाधिकारी ने 7 को बुलाया

कहा कि उन्हें जनसभा को संबोधित करने की इजाजत दी जाये जयराम ने पुलिस को आश्वासन दिया कि जनसभा को संबोधित करने के बाद वह सरेंडर कर देंगे, लेकिन जयराम वहां से फरार हो गये। बोकारो प्रशासन की तरफ से जयराम महते को नोटिस भेजा गया है। नोटिस निर्वाचन शाखा की तरफ से जारी किया गया है। नोटिस में कहा गया है कि आप की तरफ से समर्पित नाम निर्देशन पत्र में प्रस्तावकों में से सभी का हस्ताक्षर संदेहास्पद लगा रहा है। इसलिए 7 मई को बोकारो निर्वाचन पदाधिकारी के पास उपस्थित हों।





सरफ़ा	शोल (विक्री)	66,800 रु. / 10 ग्राम
	चादी	83,000 रु. /प्रति दिन

कैमरे की नजर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का रांची में भव्य रोड शो और चाइबास में चुनावी सभा



रांची में रोड शो के दौरान पीएम मोदी, पीएम के साथ नेता प्रतिपक्ष अमर बाड़री और भाजपा प्रत्याशी संजय सेठ।



चाइबास में पीएम मोदी की सभा, उमड़ा जनसैलाल



संघभूमि एवं खूंटी ल



चाइबास में पीएम मोदी का स्वागत करते आजसू सुप्रीमो सुदेश महोत।



पीएम मोदी की सुरक्षा में हरमू रोड में जगह-जगह की गयी थी बैरिकेडिंग और हर जगह पीएम को देखने के लिए लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा। सभी फोटो: प्रदीप गांगुली।



चाइबास में पीएम मोदी का स्वागत करते केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा।

हेमंत सोरेन के खिलाफ हाइकोर्ट ने की है गंभीर टिप्पणी: प्रतुल शाहदेव

आजाद सिपाही संवाददाता



रांची। भाजपा के प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करके कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के द्वारा अपनी गिरफ्तरी को चैलेंज करने वाले मुकदमे को खारिज करते हुए उच्च न्यायालय ने टिप्पणी की है कि उनके मुख्यमंत्री रहने ही सदर थारे में दर्ज एकाइआर में छेड़छाड़ की कोशिश की गयी। ये संगीन मामला है और हमें उमंदी है कि झारखण्ड पुलिस इस गलत कार्य के लिए जिम्मेदार अफसर पर कड़ी कार्रवाई करेगी। एफआइआर से सेक्षण 120 बी को हटाने की कोशिश की गयी थी। प्रतुल ने एक्स पर आगे लिखा कि उच्च न्यायालय ने यह भी कहा कि हेमंत सोरेन के द्विली आवास से 36 लाख रुपये की भरकम रकम की रिकवरी पर जो उहाने सकारात्मक है, वह प्रथम दृष्टा 'अटेनेवेल' यानी असमर्थनीय लगता है। अपने नियंत्रण में रखें। जो भी पढ़ना है कि हम हमेशा कहते थे कि यह नरेंद्र मोदी का न्यू डीड्या है। यहां आर आप भ्रात्याचार करेंगे तो दलील को भी अस्वीकार किया कि यह राजनीतिक विद्वेष का

गोल एक्सपटर्स ने नीट के लिए दिये महत्वपूर्ण टिप्प

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। गोल इंस्टीट्यूट के छात्रों के लिए गोल एक्सपटर्स द्वारा नीट की तैयारी के लिए अंतिम महत्वपूर्ण दिशा निर्देश दिये गये जिसमें छात्रों को परीक्षा के दिन किन-किन बातों का खाल रखना चाहिए उससे संबंधित जनकारी दी गयी। गोल इंस्टीट्यूट ने यह भी कहा कि हेमंत सोरेन के द्विली आवास से 36 लाख रुपये की भरकम रकम की रिकवरी पर जो उहाने सकारात्मक है, वह प्रथम दृष्टा 'अटेनेवेल' यानी असमर्थनीय लगता है। अपने नियंत्रण में रखें। जो भी पढ़ना है कि हम हमेशा कहते थे कि यह नरेंद्र मोदी का न्यू डीड्या है। यहां आर आप भ्रात्याचार करेंगे तो दलील को भी अस्वीकार किया कि यह राजनीतिक विद्वेष का



दोपहर 1.30 बजे तक पंडी ले सकते हैं। एनटीटी की वेबसाइट से डाउनलोड किये गये सभी चार फेजों के साथ एडमिट कार्ड ले जायें जिसमें सेल्प डिक्लेरेशन और पोस्टकार्ड साइज फोटो दूर्घे पेज पर चिपकाया गया हो, मूल वैध आईडी प्रूफ और नीट एप्लीकेशन फॉर्म में पासपोर्ट साइज फोटोकेशन फॉर्म में पूजन कर, 10.15 बजे तक पंडी प्रैक्स कर सकते हैं। 7 से 8 घंटे की पर्याप्त नीट लें। यदि आपका परीक्षा केंद्र आपके शहर से दूर है तो परीक्षा केंद्र पर एक दिन पहले पहुंचें। अपने परीक्षा केंद्र के स्थान और रास्ते के बारे में उचित जानकारी प्राप्त करें। लिंगार्थित रिपोर्टिंग समय से पहले परीक्षा केंद्र पर पहुंचें। हालांकि

धर्मदंतिवारी आज करेंगे नामांकन

रांची। भारतीय जनतंत्र मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष सह भाजपा के रांची लोकसभा उम्मीदवार धर्मदंतिवारी आज अवसर पर जमशेदपुर पूर्वों के विधायक सरकार राय समेत रांची जिला के भाजपा कार्यकारी, रांची के विभिन्न धार्मिक संगठनों के पदाधिकारी भी उपस्थित रहेंगे। श्री तिवारी सुबह 10 बजे में रोड स्ट्रिट हनुमान मंदिर, में पूजन कर, 10.15 बजे फिरायातालाल चौक पर अमर शहीद परमवीर अल्लबूर रिश्वेश्वर लाल और श्रद्धांजलि अपिंत करेंगे। तारीख 10.30 बजे रांची विधाविधालय के गेट के समीप अपने समर्थकों के साथ जुलूस की शक्ति में रांची समाहरणालय स्थित उपायुक्त कायालंज यायेंगे तथा 11 बजे अपना पर्याप्त दाखिल करेंगे। नामकान दाखिल करने के बाद विस्तारी चौक जाकर धर्मदंत भरने से संबंधित जनकारी देते हुए कहा कि ओएसआर शीट में रोल नंबर और सभी महत्वपूर्ण पहचान भगवान विरसा मुंडा की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अपिंत करेंगे।

डॉ प्रणव कुमार बब्बू के नेतृत्व में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत

रांची (आजाद सिपाही)। पीएम नरेंद्र मोदी के गोल लोडों के दौरान मोरक्कादी भीमदान मछली घर के बाल में भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता डॉ प्रणव कुमार बब्बू के नेतृत्व में पीएम नरेंद्र मोदी का स्वागत करते आजसू सुप्रीमो सुदेश महोत। भाजपा सदर्भायी एवं पराविधिकारियों ने इस अवसर पर नरेंद्र मोदी जिंदगान के नामों से महाल को गोमीय कर दिया। इस अवसर पर उक्त साथ विद्यातु मंडल के सभी भाजपा पदाधिकारियों के साथ ही संजय शौर्य, कुंदन लाल, ऋत्विक राज, विशेष शर्हान दाखिल लाल गंगा उपरस्त थे। इस अवसर पर डा बब्बू के नेतृत्व में यह संबंध लिया गया कि झारखण्ड की सभी 14 सीट पर भाजपा एवं जड़ीए उम्मीदवारों को भारी अंतर से विजय दिलाने के लिए अपनी पूरी ताकत लगा देंगे।

AFFIDAVIT

In the court of Sri Praveen Kumar, Executive Magistrate, Bermo at Tenughat.

As per affidavit No. 2280 Date: 30/04/24 I, MEENA DEVI W/O Pyare Lal Ravidas, resident of Village- Kaswagarh, P.O.-I.E. Gomia, P.S.-I.E.L., District-Bokaro (Jharkhand) do hereby solemnly affirm and declare as follows:-

- That, my Nationality is Indian.
- That, my Aadhaar No. is 794813270426.
- That, I am a joint A/c holder of Bank of India, Gomia Branch with my wife Purni Devi being A/C No. 48110100014612.
- That, my correct name is PYARE LAL RAVIDAS which is mentioned in my Aadhaar Card as well as in my PAN Card.
- That, in my aforesaid Bank A/C of Bank of India, Gomia Branch my name has been mentioned as PYAREL RABIDAS which is required to be corrected as PYARE LAL RAVIDAS.
- That, PYARE LAL RAVIDAS and PYAREL RABIDAS are the same and one person i.e. myself.
- That, I am swearing this affidavit to correct my name as MEENA DEVI in place of PURNI DEVI in my Bank Account of Bank of India, Gomia Branch being A/C No. 48110100014612.
- That, the contents made above are true and correct, if found false, I shall be punishable under law.

AFFIDAVIT

In the court of Sri Praveen Kumar, Executive Magistrate, Bermo at Tenughat.

As per affidavit No. 2280 Date: 30/04/24 I, PYARE LAL RAVIDAS S/O Bhukhai Ravidas, resident of Village- Kaswagarh, P.O.-I.E. Gomia, P.S.-I.E.L., District-Bokaro (Jharkhand) do hereby solemnly affirm and declare as follows:-

- That, my Nationality is Indian.
- That, my Aadhaar No. is 76529088.
- That, I am a joint A/c holder of Bank of India, Gomia Branch with my wife Purni Devi being A/C No. 48110100014612.
- That, my correct name is PYARE LAL RAVIDAS which is mentioned in my Aadhaar Card as well as in my PAN Card.
- That, in my aforesaid Bank A/C of Bank of India, Gomia Branch my name has been mentioned as PURNI DEVI which is my nick name and which is required to be corrected as MEENA DEVI.
- That, MEENA DEVI and PURNI DEVI are the names of same and one person that is of myself.
- That, I am swearing this affidavit to correct my name as MEENA DEVI in place of PURNI DEVI in my Bank Account of Bank of India, Gomia Branch being A/C No. 48110100014612.
- That, the contents made above are true and correct, if found false, I shall be punishable under law.

आनेवाला समय ओबीसी समाज का : बीड़ी प्रसाद



आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। रांची प्रेस क्लब, रांची में पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) एकता अधिकारी मर्च झारखण्ड प्रेस के केंद्रीय अध्यक्ष ब्राह्मदेव प्रसाद (बीड़ी प्रसाद) झार आयोजित प्रेस-वार्ता में मुख्य रूप से लोकसभा चुनाव 2024 में झारखण्ड की आठ सामान्य सीटों में से छह पर एनटीए तथा तीन पर झिल्डा वर्ग के लोगों को प्रत्याशी बनाया गया है। उहाने ओबीसी के अंतर्गत आने वाली

सभी जाति समुदाय एवं संप्रदाय के लोगों से आहान किया कि दल पार्टी एवं जाति से ऊपर उठ कर अपने ओबीसी पिछड़ा वर्ग के प्रत्याशियों के पक्ष में भारी संख्या में मादान कर विजयी बनाने का कार्य करें, ताकि भविष्य में हमारी आकर्षण से संबंधित मार्ग पूरी हो सकें। हम ओबीसी समाज के लोग ग्रामीण क्षेत्रों में रहकर भी लोगों को रोजाना देने का कार्य करते हैं। ओबीसी समाज र

संपादकीय

मुरिकल चुनौती

रा पृथ्वी राजधानी दिल्ली और एनसीआर के लिए बुधवार की सुबह असामान्य रही। जिस तरह से एक के बाद एक अलग-अलग स्कूलों में बम रखे होने की खबर आने लगीं, उससे न केवल स्कूल के स्टाफ, बच्चों और अभिभावकों में घबराहट फैली बल्कि इसे देख-सुन रहे सभी लोग सकते में आ गये। हालांकि, करीब 200 स्कूलों को चपेट में लेने वाली यह खबर पूरी तरह फर्जी निकली, लेकिन देश की राजधानी में अफरातफरी की स्थिति तो इसने बना ही दी। यूं तो किसी आतंकी संगठन या ग्रुप ने अब तक इसकी जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन जो शुरुआती संकेत मिले हैं, उनके मद्देनजर इसके पीछे अंतरराष्ट्रीय साजिश से इनकार नहीं किया जा रहा। सभी स्कूलों को एक ही कंटेंट ईमेल किया गया। ईमेल भेजने के लिए रूसी वीपीएन का इस्तेमाल हुआ है, लेकिन सभी मेल एक ही आईडी से भेजे गये हैं। जिस तैयारी से ईमेल भेजी गयी है, उसे देखते हुए विशेषज्ञ कह रहे हैं कि इसकी ओरिजिन पता लगाना आसान नहीं होगा। ध्यान रहे, यह हाल के दिनों में अपने ढंग की सबसे बड़ी भले हो, पहली घटना नहीं है। मंगलवार को ही राष्ट्रपति भवन समेत कुल 103 सरकारी बिल्डिंगों में बम रखे होने की ईमेल भेजी गयी थी। यह अलग बात है कि स्कूल, बच्चे और अभिभावक जैसे कारोंकों की गैरमौजूदी में उससे अपराधी की

इंगेल भेजने के लिए रूसी वीपीएन का इस्टमेल हुआ है, लेकिन सभी मेल एक ही आइडी से भेजे गये हैं। यिस तैयारी से इंगेल भेजी गयी है, उसे देखते हुए विशेषज्ञ कह रहे हैं कि इसकी ओरिजिन पता लगाना आसान नहीं होगा।

फैलायी गयी थी। उससे पहले फरवरी में चेन्नै के 13 स्कूल निशाने पर आये थे। जाहिर है, सुरक्षा बलों की चौकसी और आतंकी तत्वों पर लगातार रखी जा रही नजर के कारण आतंकी वारदात को अंजाम देने के बजाय इस तरह की अफवाह फैलाना अपेक्षाकृत आसान है। लिहाजा, देश में अशांति, बेचैनी और घबराहट का माहौल पैदा करने की इच्छुक ताकतें इस तरह की हरकतें जारी रख सकती हैं। निश्चित रूप से सुरक्षा बलों को इस चुनौती से निपटने की बेहतर तैयारी करनी होगी। अंतर्राष्ट्रीय जांच वाले पहलू की बात करें तो भारत की स्थिति बहुत अच्छी नहीं दिखती। पारस्परिक कानूनी सहायता सुनिश्चित करने वाली संधि एमएलएटी (म्युचुअल लीगल असिस्टेंस ट्रीटी) भी भारत की सिर्फ 42 देशों के साथ है। बुडापेस्ट कर्वेशन ऑन सायबर क्राइम पर भी भारत ने हस्ताक्षर नहीं किये हैं, जिसके तहत विभिन्न देश संयुक्त जांच करते और आपस में सबूत साझा करते हैं। अस्पतालों और स्कूलों में बम की अफवाह जैसी चुनौतियों से कुशलतापूर्वक निपटने के लिए इन तमाम पहलुओं पर ध्यान देते हुए आगे बढ़ना होगा।



डॉ घनश्याम सिंह

मुक्त विश्वविद्यालयों के संकाय सदस्यों को अपने शिक्षार्थीयों को शिक्षा प्रदान करते समय शिक्षा 4.0 की मान्यता प्राप्त क्षमताओं और कौशल को अपने शिक्षण और सीखने की प्रक्रियाओं, उनके वितरण तरीकों, उनकी सामग्री और पाठ्यक्रम और उनके व्यावहारिक अभिविन्यास में शामिल करना आना चाहिए। दोहराने के लिए, ये क्षमताएं और कौशल लंबे समय तक चलते हैं। शिक्षा के माध्यम से प्रदान किए गए संज्ञानात्मक कौशल रचनात्मकता, महत्वपूर्ण सोच, डिजिटल कौशल प्रोग्रामिंग, समस्या समाधान और सिस्टम विश्लेषण के पहलुओं को जन्म दे सकते हैं।

उधात पाठ्यक्रम, जाकेपक शिक्षाशास्त्र, निरंतर रचनात्मक मूल्यांकन और पर्याप्त छात्र समर्थन शामिल होता है। पाठ्यक्रम दिलचस्प और प्रासंगिक होना चाहिए, और नवीनतम ज्ञान आवश्यकताओं के साथ संरचित करने और निर्दिष्ट शिक्षण परिणामों को पूरा करने के लिए नियमित रूप से अद्यतन किया जाना चाहिए। छात्रों को पाठ्यचर्या सामग्री को सफलतापूर्वक प्रदान करने के लिए उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षाशास्त्र आवश्यक है; शैक्षणिक अभ्यास छात्रों को प्रदान किए जाने वाले सीखने के अनुभवों को निर्धारित करते हैं, इस प्रकार सीधे सीखने के परिणामों को प्रभावित करते हैं।

शिक्षा के माध्यम से प्रदान किए गए सामाजिक कौशल सहयोग, संचार, बातचीत, सामाजिक - भावनात्मक जागरूकता के पहलुओं को जन्म दे सकते हैं, और शारीरिक कौशल संतुलन, समन्वय, स्थिति संबंधी जागरूकता और ताकत को जन्म दे सकते हैं। इष्टिकोण और मूल्यों को बढ़े पैमाने पर स्व-नियामक और सामाजिक कौशल के रूप में परिभाषित किया गया है। दूसरे शब्दों में, इन्हें अंतर-वैयक्तिक और अतिरिक्त-वैयक्तिक कौशल कहा

पाणिनम का त्रिमायपत्र करता है। मूल्यांकन के तरीके वैज्ञानिक होने चाहिए, जो सीखने में लगातार सुधार लाने और ज्ञान के अनुप्रयोग का परीक्षण करने के लिए डिजाइन किए गए हों। अंत में, छात्रों के कल्याण को बढ़ावा देने वाली क्षमताओं का विकास जैसे कि फिटनेस, अच्छा स्वास्थ्य, मनो-सामाजिक कल्याण और मजबूत नैतिक आधार भी उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा- एनइपी 2020 के लिए महत्वपूर्ण हैं।

(लेखक : झारखण्ड राज्य मुक्त विश्वविद्यालय, रांची के

व-नियामक कौशल
भनुकूलनशीलता, चेतना, जिसका सांख्यिकीय, विकास मानसिकता और पहल करने की ओर ले जाते हैं, अतिरिक्त-व्यक्तिगत नामाजिक कौशल नागरिक जेम्मेदारी, पर्यावरणीय प्रबंधन, सहानुभूति, दयालुता और विश्विक नागरिकता की ओर ले जाते हैं। प्रभावी शिक्षण के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण की भावशयकता होती है जिसमें विचित पाठ्यक्रम, आकर्षक विशेषज्ञानात्मक, निरंतर रचनात्मक पूर्युतांकन और पर्याप्त छात्र समर्थन शामिल होता है। पाठ्यक्रम दिलचस्प और वास्तविक होना चाहिए, और वीनतम ज्ञान आवश्यकताओं के साथ सरेखित करने और

आजाद सिंहाही संवाददाता
खरसावां। ज्ञारखंड मुक्ति मोर्चा के वरिष्ठ नेता सह विधायक प्रतिमिति परीक्षित महतो ने अपने 400 समर्थकों के साथ भाजपा का दामन थामा। शुक्रवार को खरसावां विधानसभा क्षेत्र के नेगटासाई के आम बागान में आयोजित सभा में उन्होंने खूंटी के लोकसभा प्रत्याशी सह मंत्री अर्जुन मुंडा के समक्ष भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर जमशेदपुर के सांसद विद्युत वरण महतो, खरसावां के पूर्व विधायक मंगल सोय, जिलाध्यक्ष उदय सिंहदेव उपस्थित रहे। श्री महतो राजद के जिला अध्यक्ष के साथ 2009 के लोकसभा चुनाव में जमशेदपुर से लोजपा के प्रत्याशी भी रह चुके हैं उन्होंने भाजपा के दामन थामने

परीक्षित महतो ने अपने समर्थकों के साथ भाजपा का दामन थामा

A photograph of a woman with dark hair, wearing a pink sari with a white and gold floral pattern, speaking into a microphone. She is gesturing with her hands as she speaks. The background is a plain, light-colored wall.

आजाद सिपाही संवाददाता

गिरिडीह। गांडेय से विधानसभा
उपचुनाव की ज्ञामुण्डो प्रत्याशी
कल्पना सोरेन ने कहा है कि 31
जनवरी (जब हेमंत सोरेन को इडी
ने गिरफ्तार किया था) के बाद
स्थिति काफी बदल गयी। उसके
बाद हमारी पार्टी के कार्यकर्ता और
नेता तनाव में थे कि आगे क्या
होगा? कार्यकर्ताओं ने मुझसे आगे
आने का आग्रह किया। अपने नेता
के प्रति उनका प्यार देख कर मैंने
सोचा कि जब तक हेमंत जी
वापस नहीं आ जाते, तब तक इस
कमी को पूरा करना मेरी नैतिक
जिम्मेदारी है और मैं राजनीति में
आयी। कल्पना ने गिरिडीह में
मीडिया से बात करते हुए ये बातें

बोलना जानती है। जब वे 2014
में चुनाव जीते, तो उन्होंने इतने
बड़े-बड़े बादे किये, लेकिन वे
सब भूल गये और झारखंड के बारे
में सोचने की जहमत नहीं उठायी।
**संवैधानिक संस्थाएं भाजपा
शासित राज्यों में क्यों नहीं :**
कल्पना सोरेन ने कहा कि मैं
कहूँगी कि जिस तरह से सभी
संवैधानिक संस्थाएं आज चल रही
हैं, वे केवल उन राज्यों में ही क्यों
काम करती हैं, जो भाजपा शासित
नहीं हैं? अगर वे बीजेपी शासित
राज्यों में कोई कार्रवाई करते हैं, तो
उसे जल्द ही रोक दिया जाता है।
उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन के
मामले में कोई सबूत नहीं है, कोई
फैलाने का ठेका ले लिया है। ये



बोलना जानती है। जब वे 2014 में चुनाव जीते, तो उन्होंने इतने बड़े-बड़े वादे किये, लेकिन वे सब भूल गये और झारखण्ड के बारे में सोचने की जहमत नहीं उठायी। संवैधानिक संस्थाएं भाजपा शासित राज्यों में क्यों नहीं : कल्पना सोरेन ने कहा कि मैं कहूंगी कि जिस तरह से सभी संवैधानिक संस्थाएं आज चल रही हैं, वे केवल उन राज्यों में ही क्यों काम करती हैं, जो भाजपा शासित नहीं हैं? अगर वे बीजेपी शासित राज्यों में कोई कार्रवाई करते हैं, तो उसे जल्द ही रोक दिया जाता है। उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन के मामले में कोई सबूत नहीं है, कोई तथ्य नहीं है, यह पूरी तरह से

जमशीदपर की खबरें

झामुमो प्रत्याशी समीर मोहंती ने किया नामांकन



जमलेबाजी की सरकार है मोदी सरकार : चंपाई सोने

वहीं नामांकन दाखिल करने के बाद सीएम चंपाई सोरेन ने कहा कि देश में महागठबंधन की सरकार बनने जा रही है। इंडिया गठबंधन मजबूत है और हम पूरी मजबूती से लोकसभा चुनाव लड़ने जा रहे हैं। देश में किसी की लहर नहीं चल रही है। वहीं पीएम मोदी के चाइबासा दौरे के सवाल पर उन्होंने कहा कि चुनावी माहौल है, कोई कहीं भी आ जा सकता है। हमारे गठबंधन वाला है। भाजपा की सरकार महागठबंधन झारखंड की 14 सीटें

गुप्ता, राज्यसभा सांसद मा-
माजी, विधायक रामदास सं-
संजीव सरदार, झामुमो वै-
महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य;
भारी संख्या में समर्थक मौजूद
मैं हर तरह की
जांच के लिए
तैयार हूँ: सुप्रियो

भट्टाचार्य ने समीर महंती की जीत का दावा किया। उन्होंने कहा कि देश जुमलों की सरकार से त्रस्त हो चुकी है। प्रधानमंत्री के पास आज कोई मुद्दा नहीं है, जिसे वे जनता के बीच रख सकें। अब वे अपनी चुनावी सभाओं में पाकिस्तान का जिक्र कर रहे हैं भाजपा महिलाओं की सुरक्षा के मामले में पूरी तरह से विफल साबित रही है। दस साल के कार्यकाल में मोदी सरकार के पास उपलब्धियां गिनाने का कोई मुद्दा नहीं है। यही मोदी सरकार के विफलता है।

जमशेदपुर की जनता इस बार मन बना चुकी है। समीर मोहंटी के जीत से कोई रोक नहीं सकता है उन्होंने बताया कि समीर के नामांकन में काफी संख्या में जुर्म गांव से लेकर शहर तक की जनत गवाह है कि जमशेदपुर में बदलाव होने जा रहा है। वर्ही इडी के रडाए पर आने के सवाल पर सुनियो भट्टाचार्य ने कहा कि बंगाली हूँ किसी से डरने वाला नहीं हूँ। मैं हूँ

बजाज आलियांज जनरल इंश्योरेंस ने प्रिवेलॉच किया

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। भारत की अग्रणी निजी समाचार बीमा कंपनियों में से एक बजाज आलियांज जनरल इंश्योरेंस ने आज लिंगे को लॉन्च कर दिया। वह एक प्रकाशकलासिव कर्टरम इक्स्प्रेसरेस प्रोग्राम है जो बेजोड़ क्वालिटी के साथ साथ ग्राहकों को उत्कृष्ट सेवा तक अपनी पहुंच प्रदान करता है। परंपरागत रूप से, भारत में पिछले कुछ सालों में बीमा का विस्तार करने का प्रयास ज्यादातर टियर 2/टियर 3 स्थानों और आपीण बाजारों में केंद्रित रहा है, जिसमें मुख्य रूप से समयम, उच्च मध्यम वर्ग और ग्रामीण ग्राहक शामिल हैं। उपरोक्त सभी ग्राहक खंडों में बीमा पैट बढ़ाने पर अपने मजबूत फोकस के अलावा, बजाज आलियांज जनरल इंश्योरेंस अब ग्राहकों के एक विशेष क्लास को अपनी सेवाएं देगा, जिन्हें अमातृर पर बड़ी हुई कवरेज सीमा के साथ बीमा सांकेतिकों की आवश्यकता होती है। ऐसे समझदार ग्राहकों की प्राथमिकता अनुरूप उनकी विशेष आवश्यकताओं के अनुरूप उनकी



जरूरतों और सुरक्षा को पहचानते हुए, प्रिवे ट्रूडिंगल बीमा प्रोडक्ट्स से कहीं आगे निकल जाता है। प्रिवे का दिस्सा बताकर, ग्राहकों को उनकी विशेष और प्राथमिकता बताती बीमा सेवाओं की एक रेंज अपनी सेवाएं देगा, जिससे उनकी आवश्यकताओं को आसानी से पूरा किया जाता है।

प्रिवे का दिस्सा बनने के लिए, ग्राहकों के पास उनकी विशेष आवश्यकताओं के अनुरूप उनकी

स्वास्थ्य, घर, मोटर, व्यक्तिगत दुर्घटना और साइबर, बीमा जैसे उत्पादों की एक श्रृंखला से चयन करने की सुविधा है। इसके बीमा उत्पादों में वर्तमान में माई हेल्थ केयर प्लान शामिल है, जो एप्लिजिबिलिटी क्राइटरिया के रूप में न्यूनतम 1 करोड़ रुपये की बीमा राशि के साथ अनुकूलन योग्य ग्राहकों की आवश्यकता होती है। यहां पासता क्राइटरिया के लिए न्यूनतम बीमा राशि 3 करोड़ रुपये, गैर-पोर्टेबल सामग्री के लिए 30 लाख रुपये और पोर्टेबल वस्तुओं के लिए 6 लाख रुपये होती है। हेल्थ केयर के चिकित्सा उपचार के साथ साथ

अंतर्राष्ट्रीय और घरेलू दोनों तरह के नियोजित और आपातकालीन उपचार जैसे कवरेज प्रदान करता है। साथ ही इसके ग्राहक पात्रता के लिए बीमा राशि के किसी भी विकल्प को चुन सकते हैं। इसके अलावा, वी-पे-ऐड-ऑन कवर के साथ एक मोटर प्रोडक्ट भी ऑफर किया जायेगा। इस ऐड-ऑन कवर ऑफर के तहत ग्राहक बीमा ऐड-ऑन की एक रेंज के फायदों का भी समावेश है, जिसके लिए मोटर व्हीकल के लिए न्यूनतम बीमाकृत घोषित मूल्य (आइडीवी) 25 लाख रुपये या उससे अधिक की आवश्यकता होती है। माई होम इंश्योरेंस ऑल रिस्क पॉलिसी घर की संरचना और घर में मूल्यवान सामग्री दोनों के लिए व्यापक बीमा कवरेज सुनिश्चित करती है। यहां पासता क्राइटरिया के लिए न्यूनतम बीमा राशि 3 करोड़ रुपये, गैर-पोर्टेबल सामग्री के लिए 30 लाख रुपये और पोर्टेबल वस्तुओं के लिए 6 लाख रुपये होती है। इसके

अलावा, उपरोक्त प्रोडक्ट्स में ग्राहक ग्रोवल पर्सनल गार्ड पॉलिसी जैसे हाई क्लास प्रोडक्ट्स के लिए बीमा राशि की ऊच्च श्रेणी का विकल्प भी चुन सकते हैं। इसके अलावा, वी-पे-ऐड-ऑन कवर के साथ एक मोटर प्रोडक्ट भी ऑफर किया जायेगा। इस ऐड-ऑन कवर ऑफर के तहत ग्राहक बीमा ऐड-ऑन की एक रेंज के फायदों का भी समावेश है, जिसके लिए मोटर व्हीकल के लिए न्यूनतम बीमाकृत घोषित मूल्य (आइडीवी) 25 लाख रुपये या उससे अधिक की आवश्यकता होती है। माई होम इंश्योरेंस ऑल रिस्क पॉलिसी घर की संरचना और घर में मूल्यवान सामग्री दोनों के लिए व्यापक बीमा कवरेज सुनिश्चित करती है। यहां पासता क्राइटरिया के लिए न्यूनतम बीमा राशि 3 करोड़ रुपये, गैर-पोर्टेबल सामग्री के लिए 30 लाख रुपये और पोर्टेबल वस्तुओं के लिए 6 लाख रुपये होती है। इसके

भुवनेश्वर से सांसद अपराजिता बाड़ींगी ने सौंपी संपत्ति की सूची



आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। भुवनेश्वर से बीजीपी अपराजिता बाड़ींगी ने चुनाव से बहुल रूपये और नई दिल्ली कृषि भवन एसबीआई में 22 लाख रुपये है। अपराजित के पास 10 लाख की कार है। विभिन्न आभूषणों वाले 1150 ग्राम हैं।

आभूषणों का वर्तमान मूल्य लगभग 74 लाख रुपये होता है। अपराजित के नाम पर कोई वापिसीक इमारत नहीं है। उन पर कोई बैंक जीवीआई वैंक, लुईस रोड में

लाख। आजाद सिपाही संवाददाता भुवनेश्वर से बीजीपी सांसद अपराजिता बाड़ींगी ने चुनाव से बहुल रूपये और नई दिल्ली कृषि भवन एसबीआई में 22 लाख रुपये है। अपराजित के पास 10 लाख की कार है। विभिन्न आभूषणों वाले 1150 ग्राम हैं।

आभूषणों का वर्तमान मूल्य लगभग 74 लाख रुपये होता है। अपराजित के नाम पर कोई वापिसीक इमारत नहीं है। उन पर कोई बैंक जीवीआई वैंक, लुईस रोड में

लाख। आभूषणों का वर्तमान मूल्य लगभग 74 लाख रुपये होता है। अपराजित के नाम पर कोई वापिसीक इमारत नहीं है। उन पर कोई बैंक जीवीआई वैंक, लुईस रोड में

लाख। आभूषणों का वर्तमान मूल्य लगभग 74 लाख रुपये होता है। अपराजित के नाम पर कोई वापिसीक इमारत नहीं है। उन पर कोई बैंक जीवीआई वैंक, लुईस रोड में

लाख। आभूषणों का वर्तमान मूल्य लगभग 74 लाख रुपये होता है। अपराजित के नाम पर कोई वापिसीक इमारत नहीं है। उन पर कोई बैंक जीवीआई वैंक, लुईस रोड में

लाख। आभूषणों का वर्तमान मूल्य लगभग 74 लाख रुपये होता है। अपराजित के नाम पर कोई वापिसीक इमारत नहीं है। उन पर कोई बैंक जीवीआई वैंक, लुईस रोड में

लाख। आभूषणों का वर्तमान मूल्य लगभग 74 लाख रुपये होता है। अपराजित के नाम पर कोई वापिसीक इमारत नहीं है। उन पर कोई बैंक जीवीआई वैंक, लुईस रोड में

लाख। आभूषणों का वर्तमान मूल्य लगभग 74 लाख रुपये होता है। अपराजित के नाम पर कोई वापिसीक इमारत नहीं है। उन पर कोई बैंक जीवीआई वैंक, लुईस रोड में

लाख। आभूषणों का वर्तमान मूल्य लगभग 74 लाख रुपये होता है। अपराजित के नाम पर कोई वापिसीक इमारत नहीं है। उन पर कोई बैंक जीवीआई वैंक, लुईस रोड में

लाख। आभूषणों का वर्तमान मूल्य लगभग 74 लाख रुपये होता है। अपराजित के नाम पर कोई वापिसीक इमारत नहीं है। उन पर कोई बैंक जीवीआई वैंक, लुईस रोड में

लाख। आभूषणों का वर्तमान मूल्य लगभग 74 लाख रुपये होता है। अपराजित के नाम पर कोई वापिसीक इमारत नहीं है। उन पर कोई बैंक जीवीआई वैंक, लुईस रोड में

लाख। आभूषणों का वर्तमान मूल्य लगभग 74 लाख रुपये होता है। अपराजित के नाम पर कोई वापिसीक इमारत नहीं है। उन पर कोई बैंक जीवीआई वैंक, लुईस रोड में

लाख। आभूषणों का वर्तमान मूल्य लगभग 74 लाख रुपये होता है। अपराजित के नाम पर कोई वापिसीक इमारत नहीं है। उन पर कोई बैंक जीवीआई वैंक, लुईस रोड में

लाख। आभूषणों का वर्तमान मूल्य लगभग 74 लाख रुपये होता है। अपराजित के नाम पर कोई वापिसीक इमारत नहीं है। उन पर कोई बैंक जीवीआई वैंक, लुईस रोड में

लाख। आभूषणों का वर्तमान मूल्य लगभग 74 लाख रुपये होता है। अपराजित के नाम पर कोई वापिसीक इमारत नहीं है। उन पर कोई बैंक जीवीआई वैंक, लुईस रोड में

लाख। आभूषणों का वर्तमान मूल्य लगभग 74 लाख रुपये होता है। अपराजित के नाम पर कोई वापिसीक इमारत नहीं है। उन पर कोई बैंक जीवीआई वैंक, लुईस रोड में

लाख। आभूषणों का वर्तमान मूल्य लगभग 74 लाख रुपये होता है। अपराजित के नाम पर कोई वापिसीक इमारत नहीं है। उन पर कोई बैंक जीवीआई वैंक, लुईस रोड में

लाख। आभूषणों का वर्तमान मूल्य लगभग 74 लाख रुपये होता है। अपराजित के नाम पर कोई वापिसीक इमारत नहीं है। उन पर कोई बैंक जीवीआई वैंक, लुईस रोड में

लाख। आभूषणों का वर्तमान मूल्य लगभग 74 लाख रुपये होता है। अपराजित के नाम पर कोई वापिसीक इमारत नहीं है। उन पर कोई बैंक जीवीआई वैंक, लुईस रोड में

लाख। आभूषणों का वर्तमान मूल्य लगभग 74 लाख रुपये होता है। अपराजित के नाम पर कोई वापिसीक इमारत नहीं है। उन पर कोई बैंक जीवीआई वैंक, लुईस रोड में

लाख। आभूषणों का वर्तमान मूल्य लगभग 74 लाख रुपये होता है। अपराजित के नाम पर कोई वापिसीक इमारत नहीं है। उन पर कोई बैंक जीवीआई वैंक, लुईस रोड में

लाख। आभूषणों का वर्तमान मूल्य लगभग 74 लाख रुपये होता है। अपराजित के नाम पर कोई वापिसीक इमारत नहीं है। उन पर कोई बैंक जीवीआई वैंक